सिरिकुम्मापुत्तचरिअम् (फोल्डर नं. ००२५५६)
ग्रन्थकार – श्री जिनमाणिक्यविजयजी
नवीनसंस्करण सम्पादिका – साध्वी चन्दनबालाश्रीजी
प्रकाशक-भद्रंकर प्रकाशन अहमदाबाद
आवृत्ति-१, प्रकाशन वर्ष-२००९, पृष्ठ-१९४

मुख्य टाईटल

विषयानुक्रमणिका

પ્રકાશકીય ---७-૯

प्रस्तावना -- ११

ભાવધર્મનું માહાત્મ્ય --- ૧૩-૧૪

સંપાદકીય -- ૧૫-૨૧

કમ્માપુત્તચરિઅમમાં વપરાયેલ હસ્તપ્રતોની નોંધ--- ૨૩-૨૪

सिरिकुम्मापुत्तचरिअम --- १-२७

सिरिकुम्मापुत्तचरिअस्स संस्कृतछायानुवाद --- २९-५०

ભાવધર્મના પ્રભાવ પર પ્રકાશ પાથરતું ધર્મદેવ– કૂર્માપુત્રનું ચરિત્ર --------------------------- ૫૧-૭૮

धर्मदेव – कूर्मापुत्रचरित्र भावधर्म का माहात्म्य -- ७९-१०६

Kummaputta Chariam--- 107-137

परिशिष्टम – शुभवर्धनगणिप्रणीताया ऋषिमण्डलवृत्तौ द्वीतीयखण्डे कूर्मापुत्रर्षिकथानकम -------- १३९-१४६

परिशिष्टम – बालचन्द्रसूरिप्रणीताया विवेकमञ्जरीवृत्तौ कूर्मापुत्रर्षिकथानकम------------------- १४७-१५४

परिशिष्टम – सिरिकुम्मापुत्तचरिये पधानामकाराधनुक्रम -------------------------------------- १५५-१६२

परिशिष्टम – सिरिकुम्मापुत्तचरिये उद्धरणानामकाराधनुक्रम --- १६३

परिशिष्टम – सिरिकुम्मापुत्तचरिये विशेषनाम्नामकाराधनुक्रम -------------------------------- १६४-१६६

Jain Education International 2010_02 For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org